

9. सुपुत्र

पुत्र सुपुत्र वही जो करता, नित्य माता-पिता का मान।
तन-मन-धन से सेवा करता, सहज सदा करता सुख-दान
मानव-प्रेमी, जितेन्द्रिय, त्यागी, कुशल, शान्त, सज्जन, धीमान।
जाति-कुटुम्ब-स्वजन-जन-सेवक, ऋत-मित हितवादी विद्वान्।
धर्मशील, तपनिष्ठ, मनस्वी, मितव्ययी, दाता धृतिमान।
पुत्र वही होता कुल-तारक, फैलाता कुल-कीर्ति महान्।

‘कल्याण’ के ‘चरित्र निर्माणांक’ से

* अभ्यास *

1. अच्छे पुत्र में कौन-कौन से गुण होने चाहिए ?
2. ‘धर्मशील’ और ‘तपनिष्ठ’ से क्या अभिप्राय है ?
3. अपने अध्यापक से ऐतिहासिक एवं पौराणिक काल के गुणवान पुत्रों के विषयों में जानकारी प्राप्त कीजिए।

